कार्यालय प्राचार्य, शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय सूरजपुर,
जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

पत्र क्रमांक 003/रासेयो/20.......   सूरजपुर, दिनांक 04./04/.2024

प्रति,

कार्यक्रम समन्वयक,
राष्ट्रीय सेवा योजना
सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

विषय :– **रासेयो सात दिवसीय विशेष शिविर का लेखा एवं प्रतिवेदन, 2023–24**

––00––

विषयान्तर्गत लेख है कि इस महाविद्यालय के रासेयो सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 15.12.2023 से 21.12.2023 तक, ग्राम–पसला, हाईस्कूल में आयोजित किया गया।

शिविर में किये गये व्यय का लेखा एवं मूल व्हाउचर क्रमांक S-01 से S-13 तक (कुल 13 व्हाउचर) तथा शिविर का प्रतिवेदन निर्धारित प्रपत्रों में भर कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

सहपत्रः 1. उपरोक्तानुसार मूल व्हाउचर क्रमांक S-01 से S-13 तक (कुल 13 व्हाउचर) तक।

2. PROFORMA-A
3. शिविर प्रतिवेदन।
4. व्यय पत्रक।
5. व्यय पत्रक का संक्षिप्त विवरण विशेष मद।
6. छात्रों का हस्ताक्षर युक्त उपस्थिति पत्रक।

(डॉ. सलीम किस्पोट्टा)

प्राचार्य
शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महावि0
सूरजपुर, जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

पृष्ठांकन क्रमांक ..../रासेयो/2023–24   **सूरजपुर, दिनांक ..../.../20....**

प्रतिलिपिः
1. श्री चन्द्रभूषण मिश्र जिला संगठक "रासेयो" सूरजपुर, शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर।

कार्यक्रम अधिकारी
(डॉ. सलीम किस्पोट्टा)

प्राचार्य
शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महावि0
सूरजपुर, जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

रा.से.यो. सरगुजा विश्वविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)
क्र. ....
दि. 12/4/2024

O/C

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय सेवा योजना, शिविर प्रतिवेदन

शासकीय रेवती रमण मिश्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर के राष्ट्र सेवा योजना इकाई के सात दिवस से विशेष ग्रामीण शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत पसला के शासकीय हाई स्कूल प्रांगण में "नशा मुक्त भारत एवं युवा थीम" पर दिनांक 15 12 2023 से 21 12 2023 तक किया गया

सात दिवस से विशेष ग्रामीण शिविर का शुभारंभ महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक सुश्री प्रतिभा कश्यप जिला संगठन राष्ट्र सेवा योजना सूरजपुर श्री चंद्रभूषण मिश्र प्राध्यापक गण एवं हाई स्कूल पसला के प्राचार्य की गरिमा में उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सूची। प्रतिभा कश्यप के द्वारा मां सरस्वती एवं विवेकानंद जी की छायाचित्र पर मालार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा राष्ट्र सेवा योजना प्रेरणा गीत का गायन किया। गया उद्बोधन की कड़ी में जिला संगठन श्री चंद्रभूषण मिश्र जी के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की विस्तृत जानकारी दी गई एवं स्वयं सेवक का मतलब उनके द्वारा समझाया गया सभी स्वयंसेवकों को एक दूसरे के सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की शुभकामनाएं दी गई। इसके पश्चात महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक सुश्री प्रतिभा कश्यप के द्वारा राष्ट्र सेवा योजना के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर प्रकाश डाला गया की यह मंच सभी समस्याओं को अवसर प्रदान करता है कि अपने अंदर की प्रतिभा को निखार सकें और। भविष्य में समाज सेवा के प्रति स्वयं को जागरुक करते हुए समाज के लोगों को भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात हाई स्कूल के प्राचार्य श्री राजवाड़े जी के द्वारा राष्ट्र सेवा योजना एवं एनसीसी में व्यतीत किए गए अपने अनुभव के द्वारा स्वयंसेवकों को अपने जीवन में समाज सेवा के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया इसके पश्चात मंच पर अतिथियों के द्वारा शिविर के सफल क्रियान्वयन की शुभकामनाएं दी गई.

संध्या काल में स्वयंसेवकों को अलग–अलग समूहों में विभाजित किया गया। प्रत्येक समूह के लिए दैनिक कार्य योजना बनाया गया इसके पश्चात इसके पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा भोजन की व्यवस्था के लिए एक समूह को जिम्मेदारी दी गई

द्वितीय दिवस का शुभारंभ सुबह की प्रभात के साथ हुई स्वयं सेवकों के द्वारा हाई स्कूल प्रांगण से गांव के नवनिर्मित मंदिर तक प्रभात फेरी निकाली गई। इसके पश्चात स्वयं सेवकों के द्वारा योग किया गया। योगाभ्यास के पश्चात नाश्ते की व्यवस्था की गई नाश्ते के पश्चात श्रम सेवकों के द्वारा विद्यालय प्रांगण में साफ–सफाई का कार्यक्रम चलाया गया। विद्यालय के सभी क्षेत्रों को सफाई की गई। दोपहर की भोजन पश्चात निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बौद्धिक परिचर्चा का सत्र प्रारंभ हुआ बौद्धिक परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में शासन हाई स्कूल के व्याख्याता च. त.भारद्वाज, ग्राम पंचायत पसला के उप सरपंच अमरजीत राजवाड़े, व्याख्याता सुखदेव पैंकरा के द्वारा मां सरस्वती एवं विवेकानंद जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात श्रम सेवकों के द्वारा अतिथियों का पुष्प कुछ से स्वागत किया गया तथा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया उद्बोधन की कड़ी में श्री पी आर भारद्वाज व्याख्याता शासकीय हाई स्कूल पसला के द्वारा नशा के दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला गया तथा कहानी के माध्यम से युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया श्री सुखदेव पर जी के द्वारा समाजसेवी संत गहिरा गुरु के समाज सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया। गया कार्यक्रम को उपसरपंच के द्वारा भी संबोधित किया गया तथा स्वयं सेवकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई इसके पश्चात स्वयं सेवकों के खेल–कूद सत्र का प्रारंभ हुआ इसके तहत स्वयंसेवकों के द्वारा रुमाल झपटा, खेल का आयोजन किया गया। शाम के समय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमे गांव के युवाओं की भी सहभागिता रही।

तृतीय दिवस की शुरुआत भी प्रभात फेरी के साथ हुई स स्वयं सेवकों के द्वारा विद्यालय प्रांगण से गांव की गलियों से होते हुए मुख्य सड़क तक प्रभात फेरी निकाली गई। इसके पश्चात नव प्रवेशी स्वयंसेवकों को परेड का प्रशिक्षण दिया गया। फिर सुबह की नाश्ता के पश्चात ग्राम पंचायत पसला प्राथमिक एवम

Scanned with OKEN Scanner

माध्यमिक शाला प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया। हैंडपंप के समीप शोक्ता का निर्माण किया गया एवम साफ सफाई किया गया स इसके बाद दोपहर की दिनचर्या सम्पन हुई।

दोपहर की दिनचर्या संबंध होने के पश्चात बौद्धिक परिचर्चा का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ आज के मुख्य अतिथि डॉक्टर चंदन कुमार अग्रवाल एवं डॉक्टर शिवानी गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलंकर सत्र का प्रारंभ किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों के द्वारा मुख्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. चंदन कुमार के द्वारा जैव विविधता की जानकारी स्वयंसेवकों एवं ग्राम वासियों को दी गई। और यह बताया गया कि किस प्रकार सर्प किसानों का सहयोग करते हैं इसलिए सर्प का संरक्षण भी आवश्यक है। इसके पश्चात डॉ. शिवानी गुप्ता के द्वारा जल्द में पाए जाने वाले फ्लोराइड का परीक्षण करके दिखाया गया की कौन सा पानी पीने के योग्य है और कौन से पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक है तथा उसे कौन सी बीमारियां हो सकती है उसके संबंध में ग्रामवासीयों एवं स्वयं सेवकों को प्रेरक जानकारी दी गई। स्वयंसेवकों के द्वारा इससे संबंधित प्रश्न भी किए गए और उनके प्रश्नों का समाधान भी डॉ. शिवानी गुप्ता के द्वारा किया गया। सभी स्वयंसेवकों एवं ग्राम वासीयों में जैव संरक्षण के प्रति उत्सुकता दिखाई दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. चंदन कुमार के द्वारा इनके संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। गया इसी के साथ आज के बौद्धिक परिचर्चा सत्र का समापन हुआ। तत्पश्चात स्वयं सेवकों के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना खेल का आयोजन किया गया।

शाम के समय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव के युवाओं ने भी मनमोहक प्रस्तुति दिया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं नगद पुरस्कार भी दिया गया। इसी साथ आज के सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन हुआ।

विशेष ग्रामीण शिविर के चतुर्थ दिवस का शुभारंभ सुबह की प्रभात फेरी के साथ हुआ स्वयंसेवकों के द्वारा शिविर स्थल से मुख्य मार्ग तक की गलियों में प्रभात फेरी किया गया और लोगों को नशा के प्रति जागरूकता के नारे लगाए गए। इसके पश्चात हाई स्कूल प्रांगण में स्वयंसेवकों के द्वारा कसरत का कराया गया। सभी स्वयंसेवक बड़े ही उत्साह से भाग लिया इसके पश्चात नाश्ते की उत्तम व्यवस्था की गई थी, जिसका सभी ने लुफ्त उठाया। इसके बाद दैनिक गतिविधि के अंतर्गत गांव की मुख्य मार्ग पर स्थित मंदिर प्रांगण में साफ सफाई के लिए साथ पहुंचे तथा मंदिर प्रांगण की साफ–सफाई की गई। इसके पश्चात दोपहर की दैनिक दिनचर्या से निर्मित होने के बाद बौद्धिक परिचर्चा का सत्र प्रारंभ हुआ। आज बौद्धिक परिचर्चा का शुभारंभ श्रीमती हरमन रजवाड़ों के मुख्य अतिथि में हुआ जिन्होंने मां सरस्वती विवेकानंद जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। इसके पश्चात अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्वागत नृत्य के साथ स्वयंसेवकों के द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद उद्‌बोधन की कड़ी में कुमारी रूशाली राजवाड़े के द्वारा युवाओं को नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए आह्वान किया गया। उन्होंने कहानी के माध्यम से यह बताया की किस प्रकार समाज में रहते हुए लोगों में नशे का प्रभाव पड़ता है। उद्‌बोधन के पश्चात संध्या काल में स्वयं सेवको ने स्थानीय खेल का आयोजन किया जिसमें गांव के बच्चे ने भी भाग लिये और खेल का आनंद उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत शाम को सांस्कृतिक गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों के अलावा ग्रामीण के युवाओं ने भी बढ़–चढ़कर भाग लिया और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के लिए गांव के लोगो का समूह एकत्रित हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

शिविर के पांचवें दिवस का शुभारंभ स्वयंसेवकों के योगाभ्यास एवं प्रभात फेरी के साथ हुआ। इसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा परेड का अभ्यास किया गया। सुबह की नाश्ते के पश्चात पुनः स्वयंसेवकों के द्वारा गांव की गलियों में स्थित हैंड पंप के पास साफ–सफाई एवं शोक्त का निर्माण किया गया। इसके पश्चात दोपहर की दिनचर्या से निवृत होकर बौद्धिक परिचर्चा का सत्र प्रारंभ हुआ। बौद्धिक परिचर्चा का शुभारंभ महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मि पांडे एवं डॉक्टर सलीम किस्पोट्टा के द्वारा मां सरस्वती एवं विवेकानंद जी के छायाचित्र पर मालायार्पण किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने अतिथि गणों का पुष्प गुच्छ एवं स्वागत नृत्य से स्वागत किया राष्ट्रीय एकता गीत समूह में गायन किया गया। उद्‌बोधन की कड़ी में डॉ. रश्मि पांडे ने स्वयंसेवकों को बताया की राष्ट्र सेवा योजना का मंच हमें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करने का अवसर प्रदान करता है और जो स्वयंसेवक समय प्रबंधन सीख जाता

Scanned with OKEN Scanner

है वह निश्चित रूप से अपने जीवन में सफलता की ऊंचाई पर पहुंचता है इसलिए सभी सबसे लोगों को समय प्रबंधन के साथ–साथ अपने लक्ष्य भी निर्धारित करके आगे बढ़ाना होगा जिससे वे देश और समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर सकते हैं इसके पश्चात डॉक्टर सलीम किस्पोट्टा जी के द्वारा भी स्वयंसेवकों को व्यक्तित्व विकास की जानकारी दी गई कि किस प्रकार से इन छोटे–छोटे मंचों से स्वयंसेवक समाज सेवा करते हुए देश के विकास में अपनी भूमिका निर्धारित करते हैं उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभवों को शेयर करते हुए बच्चों को एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित करके समय प्रबंधन के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी इसके पश्चात प्रति दिवस की भांति एनएससी से संबंधित खेलकूद का कार्यक्रम श्रम सेवकों के द्वारा प्रारंभ किया गया जिसमें गांव की छोटी–छोटी बच्ची एवं विद्यार्थियों के द्वारा सहभागिता की गई। संध्याकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वयंसेवकों के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई गांव का अपार समूह देखने के लिए एकत्रित हुआ और साथ में गांव के युवा संस्कृत गति विद्या में रुचि रखते हैं उन्होंने भी अपना हुनर मंच के माध्यम से दिखाए। नाटक के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया की नशा किस प्रकार से लोगों को अपने चपेट में ले लेता है और इस नशे के कारण व्यक्ति आर्थिक सामाजिक मानसिक रूप से प्रभावित होता है और इसका दुष्परिणाम पूरे समाज को देखने के लिए मिलता है।

शिविर के छठवें दिवस का शुभारंभ सुबह की प्रभात फेरी एवं योगाभ्यास के साथ हुआ। इसके पश्चात स्वयंसेवको द्वारा गली की साफ सफाई, बोरिंग के आसपास की साफ सफाई का कार्य किया। दोपहर की दैनिक दिनचर्या से निवृत हुए, इसके पश्चात बौद्धिक परिचर्चा का सत्र प्रारंभ हुआ। बौद्धिक परिचर्चा में स्वयंसेवकों को मुख्य अतिथि के द्वारा समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी गई तथा उनके द्वारा राष्ट्र सेवा योजना के अनुभव को साझा किया गया। इसके पश्चात उन्होंने स्वयंसेवकों को लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया इसके पश्चात बौद्धिक परिचर्चा का सत्र का समापन हुआ। इसके पश्चात श्रम सेवकों के द्वारा स्थानीय खेल का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों के बच्चों की सहभागिता रही। संध्या काल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गांव के युवा उत्साह के साथ भाग लिए।

शिविर के समापन दिवस का शुभारंभ स्वयंसेवकों के प्रभात फेरी के साथ हुआ। स्वयं सेवकों के चेहरों पर ग्रामवासियों के सहयोग से हर्षोत्साहित थे जो स्व्यंसेवको के चेहरे पर झलक रहे थे। दोपहर 1:00 बजे समापन समारोह का कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. एच. एन. दुबे प्राचार्य, प्राध्यापकगण एवं शासकीय हाई स्कूल पसला के प्राचार्य एवं शिक्षकगण के द्वारा मां सरस्वती एवं विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात राष्टीय सेवा योजना प्रेरणा गीत का गायन किया गया इसके पश्चात मंच पर मंचासीन अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया स्वागत के पश्चात श्रम सेवकों के द्वारा मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया इसके पश्चात कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा सात दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन का वाचन किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा मनमोहन स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया उद्बोधन की कड़ी में प्राचार्य डॉ एच एन दुबे जी के द्वारा स्वयं सेवकों के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई तथा स्वयंसेवकों के सहयोग के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच उप सरपंच एवं ग्राम वासियों का आभार व्यक्त किया गया ।इसके पश्चात सरपंच महोदय के द्वारा प्रेरणा स्रोत मनमोहन गीत प्रस्तुत किया गया ।इसके पश्चात मंच पर उपस्थित अतिथि के द्वारा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया कार्यक्रम के अंत में डॉ. सलीम किस्पोट्टा जी के द्वारा मंच पर मंचासिन अतिथियों एवं ग्राम वासियों का आभार प्रदर्शन किया गया एवं कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

कार्यक्रम अधिकारी
(डॉ. सलीम किस्पोट्टा)

प्राचार्य
शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महावि0
सूरजपुर, जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner